

पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

खण्ड- XXXI अंक-14

31 जुलाई, 2026



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

हिंदी कक्ष

<https://hindi.iitd.ac.in/>



"हर चीज़ बदलती है, अपनी हर आखिरी साँस के साथ; तुम एक ताज़ा शुरुआत कर सकते हो।"

— बर्तोल्त ब्रेख्त

मुख्य बिंदु

- नए विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत
- आई.आई.टी. दिल्ली ने 'संरचना 2026' में जीते शीर्ष तीन पुरस्कार
- कार्यकाल का विस्तार
- नियुक्तियाँ
- स्वागत
- सेवानिवृत्ति
- पुनर्नियुक्ति
- श्रद्धांजलि

नए विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत

प्रिय विद्यार्थियों!

प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण आई.आई.टी. दिल्ली परिसर में आप सभी का हार्दिक स्वागत है।

सबसे पहले, मैं आप सभी को आपकी कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देता हूँ, जिसकी बदौलत आप आई.आई.टी. दिल्ली जैसे प्रतिष्ठित संस्थान का हिस्सा बने हैं। आप उन चुनिंदा विद्यार्थियों में हैं, जिन्होंने हमारे 2026 बैच में अपना स्थान बनाया है। यह उपलब्धि निश्चित रूप से आपके लिए गर्व का विषय है और आपके जीवन की एक नई एवं महत्वपूर्ण यात्रा की शुरुआत भी।

आई.आई.टी. दिल्ली में आपका प्रवेश केवल एक प्रतिष्ठित संस्थान में आने का अवसर नहीं है, बल्कि यह सीखने, नए विचारों को समझने, प्रश्न पूछने और अपनी प्रतिभा को विकसित करने की एक नई यात्रा है। यहाँ आपकी जिज्ञासा आपको ज्ञान की ओर, ज्ञान आपको नवाचार की ओर और नवाचार आपको समाज

के लिए कुछ बेहतर करने की ओर प्रेरित करेगा।

हमारे संस्थान में आपको एक समृद्ध शैक्षणिक वातावरण, लचीला पाठ्यक्रम, प्रतिभाशाली सहपाठी एवं वरिष्ठ, अनुभवी और सुविज्ञ संकाय तथा समर्पित स्टाफ का सहयोग मिलेगा। व्याख्यान, ट्यूटोरियल, कक्षा में संवाद, प्रयोगशालाएँ, असाइनमेंट और परीक्षाएँ आपकी शैक्षणिक यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे। साथ ही, आई.आई.टी. दिल्ली आपको खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, क्लबों, सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों और शोध के माध्यम से अपने व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के अनेक अवसर प्रदान करेगा।

आपको यहाँ अपनी रुचियों और जुनून को पहचानने, उन्हें विकसित करने और अपनी क्षमताओं को नए आयाम देने के अवसर मिलेंगे। देश-विदेश के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ सीखने और संवाद करने का अनुभव आपकी सोच को व्यापक बनाएगा। इसलिए, मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि नए वातावरण को खुले मन से अपनाएँ और परिसर

में उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएँ। आप में से कई विद्यार्थी पहली बार अपने घर और अपने परिचित परिवेश से दूर आए होंगे। शुरुआत में नए वातावरण में स्वयं को ढालने में कुछ समय लग सकता है। कभी-कभी आपको अकेलापन, असमंजस या तनाव भी महसूस हो सकता है। यह एक नए जीवन-चरण का स्वाभाविक हिस्सा है। ऐसे समय में किसी से बात करने या सहायता लेने में कभी संकोच न करें। अपने मित्रों, वरिष्ठों, हॉस्टल वार्डन, संकाय सदस्यों या संस्थान के अन्य सदस्यों से संपर्क करें। आप इस यात्रा में अकेले नहीं हैं। आई.आई.टी. दिल्ली परिवार हर कदम पर आपका मार्गदर्शन और सहयोग करने के लिए आपके साथ है।

आई.आई.टी. दिल्ली अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता और उच्च मानकों के लिए जाना जाता है। यहाँ प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य दूसरों से आगे निकलना नहीं, बल्कि स्वयं को हर दिन बेहतर बनाना है। इसके साथ ही, सहयोग, पारस्परिक सम्मान और एक-दूसरे से सीखने की भावना हमारे संस्थान की महत्वपूर्ण पहचान है। मैं आशा करता हूँ कि आप

एक-दूसरे का सम्मान करेंगे, एक-दूसरे की मदद करेंगे और मिलकर सीखने तथा आगे बढ़ने का वातावरण बनाएँगे।

आपको यहाँ अपने विचारों को आकार देने, नए प्रश्न पूछने, नई राहें तलाशने और अपने सपनों को साकार करने की स्वतंत्रता मिलेगी। लेकिन स्वतंत्रता के साथ ज़िम्मेदारी भी जुड़ी होती है। आत्म-अनुशासन, ईमानदारी, निष्ठा, संवेदनशीलता और दूसरों के प्रति सम्मान आपके विद्यार्थी जीवन के साथ-साथ आपके भविष्य की भी मजबूत नींव बनेंगे।

मैं आपसे यह भी आग्रह करता हूँ कि अपनी शिक्षा को केवल कक्षा और परीक्षाओं तक सीमित न रखें। शोध, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, क्लबों और सामाजिक पहलों में सक्रिय रूप से भाग लें। नए अनुभव प्राप्त करें, अपनी रुचियों को पहचानें और अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने का प्रयास करें। हर अवसर को सीखने के लिए और हर चुनौती को स्वयं को बेहतर बनाने के अवसर के रूप में देखें।

याद रखिए, यहाँ सफलता का अर्थ केवल अच्छे अंक प्राप्त करना या एक अच्छी नौकरी हासिल करना नहीं है। वास्तविक सफलता एक अच्छा इंसान बनने, समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी को समझने और अपने ज्ञान एवं प्रतिभा का उपयोग दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने में है। आप यहाँ केवल एक डिग्री प्राप्त करने नहीं, बल्कि अपने भविष्य के साथ-साथ देश और समाज के भविष्य को आकार देने आए हैं।

मुझे विश्वास है कि आई.आई.टी. दिल्ली में बिताया आपका प्रत्येक दिन आपको कुछ नया सिखाएगा, प्रत्येक चुनौती आपको मजबूत बनाएगी और प्रत्येक अनुभव आपके व्यक्तित्व को समृद्ध करेगा। आने वाले चार या पाँच वर्ष आपके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण और यादगार वर्षों में से होंगे। इन वर्षों में आप न केवल ज्ञान अर्जित करेंगे, बल्कि जीवन भर के मित्र बनाएँगे, नई सोच विकसित करेंगे और ऐसी यादें संजोएँगे जो हमेशा आपके साथ रहेंगी।

नई शुरुआत हमेशा नई उम्मीदें और नई संभावनाएँ लेकर आती है। अपने सपनों पर

विश्वास रखें, सीखने की जिज्ञासा बनाए रखें और आगे बढ़ने का साहस रखें। अपने लक्ष्य ऊँचे रखें, लेकिन अपनी जड़ों और अपने मूल्यों को हमेशा याद रखें।

आप सभी को उज्ज्वल भविष्य, सफलता और सुखद अनुभवों से भरी इस नई यात्रा के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

प्रो. रंगन बनर्जी
निदेशक

आई.आई.टी. दिल्ली ने 'संरचना 2026' में जीते शीर्ष तीन पुरस्कार

संस्थान के वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग ने राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के अंतर्गत भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से टीबीडी परिसर द्वारा आयोजित 'संरचना 2026: प्रोडक्ट डेवलपमेंट एंड डिज़ाइन हैकाथॉन' में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग के प्रो. हारून वेंकटेशन के मार्गदर्शन में विकसित तीन अनुसंधान-आधारित नवाचारों को देशभर से प्राप्त 700 से अधिक आवेदनों तथा अंतिम 31 प्रतिभागियों के बीच 'शीर्ष तीन सर्वश्रेष्ठ नवाचारी विचारों' में स्थान प्राप्त हुआ। इससे पता चलता है कि संस्थान उन्नत अनुसंधान को प्रभावशाली एवं उद्योग के लिए उपयोगी तकनीकी वस्त्र समाधानों में रूपांतरित करने की दिशा में बेहतरीन काम कर रहा है। तकनीकी वस्त्रों के क्षेत्र में उत्कृष्ट नवाचारों और भारत में इस क्षेत्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान के लिए भारत सरकार के केंद्रीय वस्त्र मंत्री, श्री गिरिराज सिंह द्वारा इन तीनों नवप्रवर्तकों को सम्मानित किया गया।

'संरचना 2026' में शीर्ष अवधारणाओं में स्थान मिलना तकनीकी वस्त्रों के क्षेत्र में संस्थान के अग्रणी नेतृत्व को और सुदृढ़ करता है। साथ ही, यह उपलब्धि राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन तथा 'आत्मनिर्भर भारत' की उस परिकल्पना को भी बल प्रदान करती है, जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी, उद्योगोन्मुख एवं कार्यात्मक तकनीकी वस्त्र प्रौद्योगिकियों के विकास को प्रोत्साहित करना है।

कार्यकाल का विस्तार

- कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/68/2025REGIOFFI/4619/2026 दिनांक 28.07.2026 के अनुसार अध्यक्ष, अभिशासक परिषद ने आई.आई.टी. दिल्ली- अबू धाबी के कार्यकारी निदेशक के रूप में **प्रो. शांतनु राय** (रासायनिक इंजीनियरी विभाग) के कार्यकाल को 01.08.2026 से एक वर्ष की अवधि के लिए बढ़ाया है।

- उप कुलसचिव (समन्वय) से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-CV0/1/2025-CDN/5492 दिनांक 15.07.2026 के अनुसार सक्षम प्राधिकारी ने अंशकालिक मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में **प्रो. एस.के. साहा** (यांत्रिकी इंजीनियरी विभाग) के कार्यकाल को 15.09.2026 अथवा अगले आदेश (जो भी पहले हो) तक बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की है।

नियुक्तियाँ

- कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/2025/68 REGIOFFI/4270/2026 दिनांक 13.07.2026 के अनुसार निदेशक महोदय ने **प्रो. शुभम संदीप** (विद्युत इंजीनियरी विभाग) को 8 जुलाई, 2026 से एक वर्ष के अवधि के लिए विदेशी विद्यार्थियों के सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है।

- उप कुलसचिव (समन्वय) से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-8501/1/2025-CDN-Part(2)/5974 दिनांक 31.07.2026 के अनुसार निदेशक महोदय ने दिनांक 01 अगस्त 2026 से दो वर्ष की अवधि के लिए **डॉ. अनिला खोसला** को अध्यक्ष, अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवाएँ कार्यालय व डॉ. मो. अशफ़ाक हुसैन को सह अध्यक्ष, अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवाएँ, आई.आई.टी. दिल्ली के रूप में नियुक्त किया है।

स्वागत

- स्थापना अनुभाग- I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2026/533382 दिनांक 22.07.2026 के अनुसार **प्रो. मंदीप सैनी** ने 15.07.2026 को संस्थान के अनुप्रयुक्त यांत्रिक इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड-1 के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।
प्रो. मंदीप सैनी को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने (जो भी पहले हो) तक संस्थान द्वारा प्रायोजित "युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप" भी प्रदान की गई है।
- स्थापना अनुभाग- I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-113/2/2026/-Estt._1/4463/2026 दिनांक 21.07.2026 के अनुसार **प्रो. तान्या मल्होत्रा** ने 30.06.2026 को संस्थान के भौतिकी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड-1 के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।
प्रो. तान्या मल्होत्रा को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने (जो भी पहले हो) तक संस्थान द्वारा प्रायोजित "युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप" भी प्रदान की गई है।
- स्थापना अनुभाग- I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/133/2/2026/ESTT-1/4511/2026 दिनांक 23.07.2026 के अनुसार **श्री संजय मित्रा** ने 15.07.2026 को संस्थान के सार्वजनिक नीति स्कूल में प्रोफेसर ऑफ़ प्रैक्टिस के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग- II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-45/394/2026-Estt.-2 I/4245/2026 दिनांक 13.07.2026 के अनुसार **डॉ. जीशू वी. कुमार** ने 29.06.2026 को संस्थान के अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवाएं कार्यालय में चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग- II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-45/393/2026-Estt.-2 I/4203/2026 दिनांक 09.07.2026 के

अनुसार **सुश्री मोनिका राजन** ने 24.06.2026 को संस्थान के कंप्यूटर सेवा केन्द्र में एप्लीकेशन एनालिस्ट के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग- II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-45/384/2026-Estt.-2 I/4196/2026 दिनांक 08.07.2026 के अनुसार **श्री सुशील राठौर** ने 16.06.2026 को संस्थान के लेखा अनुभाग में लेखा एवं लेखा परीक्षा सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग- II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-45/398/2026-ESTT-2 I/4541/2026 दिनांक 26.07.2026 के अनुसार **श्री अजीत कुमार** ने 13.07.2026 को संस्थान के संकायाध्यक्ष (अवसंरचना) कार्यालय में कनिष्ठ अभियंता के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।
- स्थापना अनुभाग- II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-45/399/2026-ESTT-2 I/4632/2026 दिनांक 29.07.2026 के अनुसार **सुश्री दिव्या ज्योति बत्रा** ने 16.07.2026 को संस्थान के परामर्श सेवा एकक में कनिष्ठ परामर्शदाता के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

सेवानिवृत्ति

संस्थान के निम्नलिखित संकाय सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 31 जुलाई, 2026 को संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं:

प्रो. श्रीनिवास वरदाचारी वीरावल्ली, प्रोफेसर, अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग

प्रो. श्रीनिवास वरदाचारी वीरावल्ली ने 11 दिसंबर, 1991 को संस्थान के अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग में संकाय सदस्य के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 13 जनवरी, 2000 को उन्हें सह प्रोफेसर एवं 26 अक्टूबर, 2006 को प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।



प्रो. श्रीनिवास वीरावल्ली ने आई.आई.टी. दिल्ली के अलावा वर्ष 2002 से 2004 तक कर्नाटक स्थित एस.डी.

एम. कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलजी, धारवाड़ में यांत्रिक इंजीनियरी विभाग के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं।

प्रो. वीरावल्ली ने आई.आई.टी. दिल्ली में वर्ष 2012 से 2014 तक गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम एवं सतत शिक्षा कार्यक्रम के समन्वयक, वर्ष 2016 से 2018 तक अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग के अध्यक्ष तथा वर्ष 2018 से 2020 तक आई.आई.टी. दिल्ली के बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्स के सदस्य के रूप में कार्य किया। इसके अतिरिक्त, वे वर्ष 2018 से 2022 तक के.एल.ई. टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी की अकादमिक परिषद के सदस्य भी रहे। उन्होंने आई.आई.टी. दिल्ली की अनेक समितियों विशेष रूप से पाठ्यक्रम समीक्षा समिति (2001 एवं 2022) तथा संस्थान की प्रक्रियाओं एवं परिवेश के अध्ययन हेतु गठित समिति (2024) में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रो. श्रीनिवास वरदाचारी वीरावल्ली अपने संकाय सहकर्मियों, विद्यार्थियों एवं अपने स्टाफ सदस्यों के बीच अत्यंत लोकप्रिय रहे हैं।

प्रो. पुनीत महाजन, प्रोफेसर, अनुप्रयुक्त-यांत्रिकी विभाग

प्रो. पुनीत महाजन ने 20 जनवरी, 1992 को संस्थान के अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग में लेक्चरर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 दिसम्बर, 1993 को उन्हें सहायक प्रोफेसर, 13 जनवरी, 2000 को सह प्रोफेसर एवं 24 जनवरी, 2005 को प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।



प्रो. महाजन ने की विशेषज्ञता का क्षेत्र ठोस यांत्रिकी (Mechanics of Solids) रहा है। संस्थान में अपने अध्यापन कार्यकाल के दौरान उन्होंने 36 पीएच.डी. शोध विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया, जिनमें से अनेक का सह-मार्गदर्शन संस्थान के अन्य सहकर्मियों के साथ मिलकर किया गया। उनके मार्गदर्शन में किए गए शोध कार्यों से प्रतिष्ठित जर्नलों में शोध-पत्र प्रकाशित हुए तथा अनेक अनुसंधान परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूर्ण हुईं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 125 से अधिक एम.टेक. विद्यार्थियों तथा कुछ एम.एस. (आर.) विद्यार्थियों

का भी सफलतापूर्वक मार्गदर्शन किया। प्रो. महाजन ने 2014 से 2016 तथा 2018 से 2020 तक अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएँ प्रदान की।

प्रो. पुनीत महाजन अपने संकाय सहकर्मियों, विद्यार्थियों एवं अपने स्टाफ सदस्यों के बीच अत्यंत लोकप्रिय रहे हैं।

प्रो. रवि शंकर, प्रोफ़ेसर, प्रबंध अध्ययन विभाग

प्रो. रवि शंकर ने 28 दिसंबर, 1999 को संस्थान के प्रबंध अध्ययन विभाग में सहायक प्रोफ़ेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 24 जनवरी, 2005 को उन्हें सह प्रोफ़ेसर एवं 11 अगस्त, 2008 को प्रोफ़ेसर के रूप में पदोन्नत किया गया। अगस्त 2015 में उन्हें प्रोफ़ेसर (उच्च प्रशासनिक ग्रेड) के पद पर पदोन्नत किया गया। आई.आई.टी. दिल्ली में 26 से अधिक वर्षों के अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने गेट/जैम के उपाध्यक्ष के रूप में भी सेवाएँ देने के साथ संस्थान एवं विभाग स्तर की अनेक समितियों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका यह योगदान शैक्षणिक प्रशासन, संस्थागत विकास और अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।



आई.आई.टी. दिल्ली में अपने कार्यकाल के दौरान प्रो. शंकर ने पाँच वर्षों तक अमर एस. गुप्ता चेयर प्रोफ़ेसर ऑफ़ डिजीजन साइंस के रूप में सेवाएँ दी हैं। वे भारती दूरसंचार प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन विद्यालय तथा परिवहन अनुसंधान एवं चोट रोकथाम केंद्र में सह संकाय सदस्य भी रहे हैं।

चार दशकों से अधिक के अपने शैक्षणिक जीवन में प्रो. शंकर ने अध्यापन, अनुसंधान और अकादमिक नेतृत्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने 79 पीएच.डी. शोधार्थियों तथा 125 से अधिक स्नातकोत्तर

शोध-प्रबंधों का मार्गदर्शन किया है। उनके अनेक पूर्व विद्यार्थी और शोधार्थी आज शिक्षा जगत, उद्योग तथा सरकार में नेतृत्वकारी पदों पर कार्यरत हैं, जो एक मार्गदर्शक और शिक्षक के रूप में उनके स्थायी एवं व्यापक प्रभाव को दर्शाता है।

प्रो. शंकर मैकग्रा-हिल द्वारा प्रकाशित सप्लाई चेन मैनेजमेंट, ऑपरेशन्स मैनेजमेंट तथा स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट ऑफ़ टेक्नॉलजी विषयों पर आधारित तीन लोकप्रिय पाठ्यपुस्तकों के सह-लेखक हैं। ये पुस्तकें आज भी विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं तथा पेशेवरों के लिए मानक संदर्भ ग्रंथ के रूप में व्यापक रूप से उपयोग की जाती हैं।

प्रो. शंकर का शैक्षणिक योगदान आई.आई.टी. दिल्ली तक ही सीमित नहीं रहा है। वर्ष 2007-08 के दौरान उन्होंने थाईलैंड स्थित एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नॉलजी के स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट में सह प्रोफ़ेसर के रूप में कार्य किया है। उन्होंने एस्टन बिजनेस स्कूल, बर्मिंघम में विजिटिंग रिसर्च फेलो के रूप में भी अपनी सेवाएँ दी हैं। आई.आई.टी. दिल्ली में नियुक्ति से पूर्व उन्होंने 13 वर्षों से अधिक समय तक एन. आई.टी. इलाहाबाद, एन.आई.टी. जमशेदपुर तथा नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी संस्थान (वर्तमान एन.एस.यू.टी.), दिल्ली में भी अध्यापन कार्य किया है।

अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए प्रो. शंकर को अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें भारत सरकार के तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा "मोस्ट रिसर्च प्रोफिशिएंट फैकल्टी ऑफ़ इंडिया" पुरस्कार तथा भारतीय औद्योगिक अभियांत्रिकी संस्थान (IIIE) द्वारा 'डॉ. आर. पी. मोहंती स्वर्ण पदक' एवं 'आउटस्टैंडिंग टीचर अवार्ड' उल्लेखनीय हैं।

प्रो. रवि शंकर अपने संकाय सहकर्मियों, विद्यार्थियों एवं अपने स्टाफ सदस्यों के बीच अत्यंत लोकप्रिय रहे हैं।

संस्थान समुदाय उपरोक्त संकाय सदस्यों को सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके व उनके परिवार की आगामी जीवन-यात्रा के लिए शुभेच्छाएँ व्यक्त करता है।

पुनर्नियुक्ति

प्रो. रवि शंकर (प्रबंध अध्ययन विभाग) को संस्थान संविधि के पैरा 13(2) के अनुसार वर्तमान शैक्षिक सत्र के अंत अर्थात् 30.06.2027 तक के लिए प्रबंध अध्ययन विभाग में प्रोफ़ेसर के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया है।

प्रो. श्रीनिवास वरदाचारी वीरावल्ली (अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग) को संस्थान संविधि के पैरा 13(2) के अनुसार वर्तमान शैक्षिक सत्र के अंत अर्थात् 30.06.2027 तक के लिए अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग में प्रोफ़ेसर के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया है।

प्रो. पुनीत महाजन (अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग) को संस्थान संविधि के पैरा 13(2) के अनुसार वर्तमान शैक्षिक सत्र के अंत अर्थात् 30.06.2027 तक के लिए अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग में प्रोफ़ेसर के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया है।

श्रद्धांजलि

स्थापना अनुभाग- II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD-45/29/2026-Estt.-2-part(1) I/4488/2026 दिनांक 22.07.2026 के अनुसार संस्थान के सुरक्षा एकक में कार्यरत **श्री सुनील** (26777), तकनीकी सहायक का दिनांक 10.07.2026 को आकस्मिक निधन हो गया है। संस्थान समुदाय दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है तथा शोक-संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।